Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 04 July 2018 18:03

: □□□□□□□ □□ □□□□□-□□□□□, □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ : □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□ □□ □□, □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ : □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□, □□□□□ □□□□ □□□□, □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ :

□□□□□ □□□□□

□□□□ : शतरंज का खेल। जसिके नाम पर बाकायदा □क फलि्म तक बॉलीवुड बनाई जा चुकी है, लखनऊ में लोकेशन थी और गोमती नदी के कनिारे से लेकर चौक के इलाके तक फलि्मा□ ग□ थे। कलाकार थे संजीव कुमार और अमजद खान। लेकनि यह तो सरि्फ कहानी थी, मगर उसके पीछे जो चालें बखिेरी और चली गई थीं उसने ही इस फलि्म को कामयाब करा दयिा था।

ठीक ऐसी कहानी अब कुंभ पर्व को लेकर रची जा रही है। अलग-अलग नशिाने हैं, अलग-अलग नगिाहें हैं। अलग-अलग लक्ष्□य है, अलग-अलग बाण हैं। अलग-अलग माध्यम हैं, अलग-अलग पात्र हैं। लेकनि इसमें आत्मा के तौर पर जसि चीज को चनि्हति कयिा गया है उसका नाम है सरकारी खजाना। यह सरकारी खजाना ही तो वह साधन है, जो भाजपा का डंका बजा सकता है, अगर नशिाना सटीक पड़ा, तो।

जी हां, इलाहाबाद में होने वाले कुंभ पर्व वहां आयोजति होने वाले वशि्व वखि्यात मेला और उसकी तैयारयिों को लेकर जो सरकारी कवायद चल रही है, उसमें बेशुमार रकम फूंकने की कोशशि हो रही है। सूत्र बताते हैं कि इस मेला के प्रचार में इतनी रकम फूंक डाली जा□गी, कि पछिली अखलिेश सरकार के आंकड़े फेल हो जा□ंगे।

वशि्वस्त सूत्रों ने बताया कि यह पूरा आयोजन कहने को तो कुंभ पर्व और उसके मेला को लेकर खर्च कयिा जा□गा। लेकनि इसके माध्यम से सरकार सीधे सन 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव में अपनी मजबूत हैसयित बनाने की जुगत में है। क्योंकि यह पूरा आयोजन ठीक उसी वक्त पर हो रहा होगा जब लोकसभा चुनाव में चल रहे होंगे। ऐसी हालत में सरकारी खजाने से खर्च होने वाली रकम का लाभ भाजपा को चुनाव में मजबूती दलिा सके, इसके लि□ कुंभ पर्व की रणनीत प्रिशासनकि तौर पर बनाई जाने की जोर-शोर कवायद चल रही है।

दलि्ली के □क वरषि्ठ पत्रकार ने बताया कयिा कि कुम्□भ पर्व में पूरी प्रचार कैंपेन की बागडोर □क अंतरराष्ट्रीय कंपनी को थमा दे दी गई है जसिका नाम है 'मैकऐन इरक्सिन'। फैसले के तहत यह कंपनी ही इस पूरे मेला और पर्व क्षेत्र में न्यूज़ चैनल, टीवी चैनल, अखबार, आउटडोर और बैनर होर्डगि का काम करेगी। यही कम्□पनी क्र□टवि, फोटो सेशन, चला□गी आउटडोर शूटगि करायेगी, और इसके अलावा जो भी उसके मन में आ□गा, करेगी। यूपी सरकार के अफसर इस कंपनी के सामने हाथ जोड़े खड़े रहेंगे।

तो आइये, जरा समझ लयिा जा□ कि यह 'मैकऐन इरक्सिन' नामक कंपनी का आधार क्या है। कोई भी खास आधार नहीं है जनाब, कुछ भी नहीं। सविाय इसके कि कंपनी के अध्यक्ष प्रसून जोशी हैं जो सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। और हाल ही नरेंद्र मोदी के करीबी बन चुके हैं। उसके बाद से ही उनकी पहुंच देश व यूपी के सभी बड़े भाजपा नेताओं तक हो गयी। फरि क्□या था, प्रसून की इस कम्□पनी की तूती कुम्□भ पर्व में भी बजने लगी। सूत्र बताते हैं

Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 04 July 2018 18:03

की सूचना वभिाग और मुख्यमंत्री सचविालय के बड़े-बड़े अफसर इस कम्पनी के इस दायत्वि को पूरा करने के लि हाथ जोड़े खड़े रहते है। सभी माध्यम मीडयिा में वज्ञिापन वाले लोग प्रसून जोशी के दरवाजे पर अरदास लगाते है।

बताते है कि अखबारों और चैनलों को उनकी मांग से ज्यादा पैसा उनके मुंह में ठूंसा जा चुका है। ऐसे में अब यह उम्मीद पालना बंद कर दीजि गा कि आपको आम आदमी को जोड़ने वाली खबर मलिेगी। सच बात तो यही रहेगी कि अब जो भी परोसा जा गा चैनल और अखबारों में, वह वही मलिेगा जो सरकार चाहती है और जसिे अफसर उनके मुंह पर फेंकेंगे।

□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□-2019